गंगा महोत्सव की दूसरी निशा

शिव भक्ति से गंगा महिमा तक सजी महफिल

प्रो. जयंत खोत, डॉ. श्वेता कुमारी के शास्त्रीय और लोक गायन ने बांधा समां, कथक कलाकारों ने गंगा अवतरण की कथा को नृत्य में किया जीवंत



काशी गंगा महोत्सव की दूसरी निशा संगीत की विविध विधाओं के नाम रही। नमो घाट फेज-तीन पर शनिवार को लोक एवं शास्त्रीय गायन के साथ कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों ने संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायन, भक्ति संगीत और नृत्य के अनूठे संगम से महोत्सव की शाम सुरमयी हो उठी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत और काशी हिंदू विश्वविद्यालय की डॉ. श्वेता कुमारी की प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण रहीं। प्रो. जयंत खोत ने राग हंसध्वनि में 'शंकर डमरू बाजे' बंदिश से गायन की शुरुआत की। इसके बाद 'जिनके मन में राम' भजन सुनाकर श्रोताओं को भक्तिरस में सराबोर किया। गायन में उनकी पत्नी रत्ना खोत ने सहयोग किया। तबले पर पं. विभास महाराज और संवादिनी पर हर्षित उपाध्याय ने संगत की। वहीं बीएचयू के महिला महाविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ. श्वेता कुमारी ने 'लहर-लहर लहराए गंगा, तोरी अमृत धारा' गंगा गीत और पूर्वांचल की लोक शैली में दादरा 'गंगा रेती पे बंगला छवाओ मोरे राजा, आई लहर जमुने की' प्रस्तुत किया। कबीर के भजन 'अजपा जाप जपो भाई साधो' से गायन को विराम दिया। उनके साथ तबले पर पं. ललित कुमार, सारंगी पर अनीश मिश्रा, हारमोनियम पर डॉ. इंद्रदेव चौधरी और तानपुरा पर गौरी मिश्रा ने संगत की।

कथक में सौरव एवं गौरव मिश्र ने युगल प्रस्तुति देकर शिव वंदना को भावपूर्ण नृत्य में पिरोया। प्रयागराज की वर्षा मिश्रा ने तनु वर्मा, श्वेता कुमारी, कृत्या त्रिपाठी और दीपशिखा जायसवार के साथ गंगा अवतरण की कथा को कथक के माध्यम से जीवंत किया।

इससे पूर्व विकास तिवारी ने गणेश वंदना और भजनों से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. अमलेश शुक्ल ने 'काशी गंगा महोत्सव काशी की पहचान है' सहित कई भजन सुनाए। आस्था शुक्ला ने शिव, गंगा और हनुमान भक्ति की रचनाएं प्रस्तुत कीं। सुजीत तिवारी ने राम भजनों से वातावरण भक्तिमय बनाया, जबकि वर्षा तिवारी ने लोकगीत सुनाए। नीलेश एवं निकेश कुमार मलिक का गायन, सोनी सेठ और अदिति शर्मा का कथक तथा प्रियंका सहवाल, आदित्य सारस्वत एवं ऋषि मिश्रा का शास्त्रीय गायन भी आकर्षण रहा। नीरज मिश्र के नेतृत्व में त्रिशूल बैंड की प्रस्तुति से दूसरी निशा का समापन हुआ। संचालन डॉ. प्रीतेश आचार्य और मीनाक्षी दीक्षित ने किया।

रुचि और उनकी टीम का सम्मान

काशी सांसद सांस्कृतिक समूह गान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली रुचि और उनकी टीम को महोत्सव में प्रस्तुति का अवसर मिला। पर्यटन विभाग ने टीम को प्रमाणपत्र और 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि का चेक देकर सम्मानित किया। विनायक शर्मा, शिवम, सइज और कशिश चौधरी ने भी अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों की सराहना प्राप्त की।

काशी गंगा महोत्सव काशी की पहचान-अमलेश शुक्ल

नमो घाट पर आयोजित काशी गंगा महोत्सव में गायन, वादन, नृत्य और लोक संस्कृति की विविध छटाएं देखने को मिल रही हैं। महोत्सव में दूसरे दिन भी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से काशी की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सुरों में पिरोया। लोक गायक डाक्टर अमलेश शुक्ला ने काशी और मां गंगा की महिमा पर आधारित गीतों की प्रस्तुति दी। उन्होंने काशी गंगा महोत्सव काशी की पहचान है और पावन गंगा तट की शोभा लगती कितनी प्यारी है जैसे गीतों से श्रोताओं को भावविभोर किया। वहीं कैलाश के निवासी नमो बार-बार हूं गीत के माध्यम से भगवान शिव की आराधना की। गायिका आस्था शुक्ला ने भी अपनी सुरीली आवाज से समां बांधा। उन्होंने मां पावन हो गंगा में डूबे नहाए, हर-हर गंगे और शिव कैलाशों के वासी जैसे भक्ति गीत प्रस्तुत किये। इसके अलावा मैं तेरे ही भरोसे हनुमान और जब जिद पर आ गयी पार्वती गीतों से भक्ति और लोक संगीत का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने नमो घाट पर उत्सवी माहौल बना दिया। महोत्सव में काशी की लोक परंपरा, भक्ति और संगीत की समृद्ध विरासत की झलक देखने को मिल रही है।

'भगवान का नाम पापों को समाप्त करता'

परब्रह्म परमात्मा भगवान श्री कृष्णचन्द्र के नाम जन्म-जन्मान्तरीय पातक को नष्ट कर देता है एवं भगवन्नाम ही कलिकाल में कल्याण को प्राप्त कराने वाला है, ये बाते पंडित ब्रजबल्लभ शास्त्री ने कहीं। वह भगवदीय मण्डल की ओर से मंङ्गलागौरी मन्दिर के समीप कृष्ण भवन में आयोजित ४९ वें भागवत सम्मेलन में कहा। उन्होंने कहा श्रीमद् भागवत बारह स्कन्ध भगवान के बारह श्री अंङ्ग है तथा सभी स्कन्धों में अलग-अलग प्रकारों से लीला का स्वरूप है। कथा से पूर्व प्रात: छ: बजे से पंडित सुदर्शन के आचार्यात्व में १६ ब्राह्मणों ने श्रीमद् भागवत पारायण महायज्ञ एवं नन्द महोत्सव सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन मण्डल के अध्यक्ष विश्वम्भर पाठक ने किया। इस अवसर पर सुशील कुमार अग्रवाल, अतुल शाह, अक्षय नागर, दीपेशचन्द्र चौधरी, गोपाल अग्रवाल आदि भक्तगण उपस्थित रहें।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
शाखाः वेलेस्लीगंज, मिर्जापुर

परिशिष्ट-IV (नियम-8(1)) कब्जे की सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन तथा सुरक्षा हित प्रर्वतन अधिनियम 2002 की धारा 13(4) के अंतर्गत नोटिस

1. **मेसर्स भगवान सिंह कन्सट्रक्शन प्रोपराइटर- श्री दिलीप कुमार सिंह,** पता- कैलाशपुरी कालोनी, रमईपट्टी, मिर्जापुर- 231001 **(ऋणी फर्म)**
2. **श्री दिलीप कुमार सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह,** पता- कैलाशपुरी कालोनी, रमईपट्टी, मिर्जापुर- 231001 **(ऋणी/बंधककर्ता)**
3. **श्री संदीप कुमार सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह,** पता- कैलाशपुरी कालोनी, रमईपट्टी, मिर्जापुर- 231001 **(बंधककर्ता/जमानतदार)**
4. **श्रीमती प्रमिला सिंह पत्नी श्री भगवान सिंह,** पता- कैलाशपुरी कालोनी, रमईपट्टी, मिर्जापुर- 231001 **(बंधककर्ता/जमानतदार),**

जबकि,

अधोहस्ताक्षरकर्ता इंडियन बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पूर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रर्वतन अधिनियम 2002 के अंतर्गत और धारा 13(12) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 व 9 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए **ऋणी - मेसर्स भगवान सिंह कन्सट्रक्शन प्रोपराइटर- श्री दिलीप कुमार सिंह,** को हमारी **वेलेस्लीगंज, मिर्जापुर** इंडियन बैंक ने एक **मांग सूचना दिनांक 01.09.2026** जारी की जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर उसमें उल्लेखित **रू. 27,09,089.00 (रूपये सत्ताईस लाख नौ हजार नवासी मात्र) 01.09.2026** तक बकाया एवं आगे का ब्याज, लागते व खर्चो और अन्य शुल्कों के साथ राशि को इस नोटिस की पावती की तारीख से 60 दिनों के भीतर, भुगतान करने के लिए कहा गया था।

ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर, एतद्द्वारा ऋणी और आम जनता को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने इस अधिनियम की धारा 13(4) के अन्तर्गत और नियम 8 व 9 के साथ पठित प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित संपत्ति को **वर्ष 2026 के नवम्बर माह के 18 वें दिवस** को कब्जे में ले लिया है।

ऋणी को विशेष रूप से और आम जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ किसी भी तरह का लेन-देन नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ किसी भी तरह का किया गया कोई भी संव्यवहार **रू. 28,02,154.00 (रूपये अट्ठाईस लाख दो हजार एक सौ चउवन मात्र) 18.11.2026** तक बकाया और आगे का ब्याज, लागते व खर्चो और अन्य शुल्कों के साथ राशि इंडियन बैंक के प्रभार के अध्यधीन होगा। **इस सरफेसी अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों की ओर ध्यान आकर्षित करते है, जो प्रतिभूतियों पर आपके मोचन के अधिकारों से संबंधित है।**

बंधक सम्पत्ति का विवरण :

सम्पत्ति का सभी भाग स्थित अराजी नम्बर 163, क्षेत्रफल- 2448 वर्ग फीट, स्थित मौजा- रमईपट्टी, टप्पा- 84, परगना- कांतित, तहसील- सदर, जिला- मिर्जापुर, जो कि स्व0 श्री भगवान सिंह के नाम में है जिसका विक्रय विलेख संख्या- 4426 दिनांक 28.07.2004, बही संख्या- 1, खंड संख्या- 2425, पृष्ठ संख्या- 73 से 104 है जो उप निबन्धक सदर, जिला- मिर्जापुर के यहां पंजीकृत है और स्व0 श्री भगवान सिंह के कानूनी उत्तराधिकारियों- श्रीमती प्रमिला सिंह, श्री दिलीप कुमार सिंह और श्री संदीप कुमार सिंह के पक्ष में उत्परिवर्तित किया गया।

चौहद्दी (विक्रय विलेख के अनुसार)- पूर्व - भगवती देवी पत्नी सूर्यबली की जमीन, पश्चिम- कच्चा रास्ता जो प्रथम पक्ष की अपनी जमीन से बनाया गया है उसके बाद प्रथम पक्ष की शेष जमीन, उत्तर- कच्चा रास्ता जो प्रथम पक्ष की अपनी जमीन से बनाया गया है उसके बाद संटू व अन्य की जमीन, दक्षिण- विक्रेता की शेष जमीन

दिनांक 18.11.2026 **प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक**

चोलापुर में नहर किनारे मिला युवक का शव, आक्रोशित परिजनों ने किया चक्का जाम

चोलापुर। थाना क्षेत्र के कुरौली नहर पुलिया के पास शनिवार की सुबह २५ वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। मृतक की पहचान अटेसुआ निवासी सुखदेव राजभर के पुत्र राकेश के रूप में हुई। परिजनों ने उसकी हत्या किये जाने का आरोप लगाते हुए भोजूबीर-सिंधोरा मार्ग पर औरा चौराहे के पास जाम लगा दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने परिजनों को आश्वासन देने पर जाम समाप्त किया। चोलापुर थाना प्रभारी सत्यजीत सिंह ने बताया कि परिजनों कुरौली नहर पुलिया के पास शनिवार को प्रात: युवक का शव मिलने की सूचना पर परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गये। परिजनों ने राकेश की हत्या कर शव नहर में फेंके जाने की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और कारवाई की मांग की। आक्रोशित परिजनों एवं ग्रामीणों ने भोजूबीर-सिंधोरा मार्ग पर औरा चौराहे के पास जाम लगा दिया। इससे मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया सूचना पर चोलापुर थाना प्रभारी सत्यजीत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच परिजनों और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया और जाम सड़क खुलवाया तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता की तारीफ पर एक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

एक नामज़द के खिलाफ मुकदमा दर्ज, हत्या किये जाने का लगाया आरोप

की तहरीर के आधार पर एक नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि मौत का कारण।

रात दस बजे के बाद डीजे बजाया तो होगी कार्रवाई, सड़क पर जाम लगाने पर भी सख्ती

शादी-विवाह समारोहों में देर रात तक डीजे बजाने, ध्वनि प्रदूषण फैलाने और मैरिज लॉन व बैंक्वेट हॉल के बाहर सड़क पर वाहन खड़े कर जाम लगाने वालों पर पुलिस सख्ती करेगी। शनिवार को डीसीपी वरुणा जोन राजेश कुमार पांडेय और एडीसीपी वरुणा जोन लिपि नागयाच ने कैंट थाने में मैरिज लॉन, होटल, बैंक्वेट हॉल और डीजे संचालकों के साथ बैठक कर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि रात दस बजे के बाद डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाने की अनुमति नहीं होगी। निर्धारित समय के बाद तेज आवाज में संगीत बजाने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने ध्वनि प्रदूषण से आसपास रहने वाले लोगों को होने वाली परेशानी का हवाला देते हुए नियमों का पालन करने की हिदायत दी।इसके साथ ही मैरिज लॉन, होटल और बैंक्वेट हॉल के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग से लगने वाले जाम को लेकर भी चेतावनी दी गई। संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों में पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था करने और सड़क पर वाहनों की पार्किंग नहीं होने देने का निर्देश दिया गया। सड़क घेरकर समारोह आयोजित करने अथवा आम रास्ते में अवरोध पैदा करने पर भी कार्रवाई होगी ।अधिकारियों ने कहा कि समारोह के दौरान यातायात व्यवस्था बाधित नहीं होनी चाहिए।

आम लोगों की सुविधा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी संचालक पुलिस के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें।

कैंट थाने में हुई बैठक में मैरिज लॉन, होटल और बैंक्वेट हॉल संचालकों को पुलिस की चेतावनी

डाक्टर घनश्याम सिंह महाविद्यालय में व्याख्यान कल

डाक्टर घनश्याम सिंह महाविद्यालय, सोयेपुर के कामर्स एण्ड मैनेजमेंट विभाग एवं भूगोल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से २३ नवम्बर को पूर्वाह्न साढ़े दस बजे से व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताके रूप में प्रोफेसर एन.सी. कर्माकर, पूर्व विभागाध्यक्ष, खनन अभियंत्रण विभाग, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान वाराणसी, उपस्थित रहेंगे। प्रोफेसर कर्माकर एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं शोधकर्ता हैं। उन्होंने आईआईटी (आईएसएम) धनबाद एवं आईआईटी (बीएचयू) में दीर्घकाल तक अपनी शैक्षणिक सेवाएं प्रदान की हैं।

काशी कथा में धर्म की नगरी सुनायेगी सनातन संस्कृति की गाथा

चेतसिंह घाट पर २५ मिनट का भव्य शो बनेगा आकर्षण का केंद्र, इस बार 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर और लाइट मल्टीमीडिया शो का आकर्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार काशी की सनातन परंपरा और धार्मिक विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से वैश्विक पहचान दिलाने की तैयारी कर रही है। देव दीपावली पर काशी आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को इस बार 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर और लाइट मल्टीमीडिया शो के जरिए शहर के पौराणिक और आध्यात्मिक इतिहास से रूबरू कराया जाएगा। चेत सिंह घाट पर 25 मिनट का भव्य 'काशी-कथा' शो आयोजित होगा। इसमें गंगा की लहरों के बीच काशी की धार्मिक यात्रा, सनातन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की गाथा दृश्य-श्रव्य माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। प्रांतीय मेले का दर्जा प्राप्त देव दीपावली इस वर्ष 24 नवंबर को मनाई जाएगी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर मनाई जाने वाली काशी की देव दीपावली परंपरागत दीपमालाओं और मां गंगा की भव्य आरती के साथ इस बार आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम भी प्रस्तुत करेगी। गंगा तट पर सदियों से खड़ी ऐतिहासिक इमारतें काशी के धर्म, अध्यात्म, संस्कृति और पौराणिक इतिहास की साक्षी रही हैं। इन्हीं इमारतों पर 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग के माध्यम से सनातन संस्कृति की



गौरवगाथा को जीवंत किया जाएगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि पिछले वर्षों की प्रस्तुतियों से अलग इस बार दर्शकों को अत्याधुनिक तकनीक का खास अनुभव मिलेगा। शो में अनमॉर्फिक एलईडी स्क्रीन और 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग का समन्वय किया जाएगा। डिजिटल डिस्प्ले पर उभरने वाले त्रिआयामी दृश्यों और ऐतिहासिक इमारतों पर पड़ने वाली प्रोजेक्शन लाइट के मेल से ऐसा आभास होगा, मानो डिजिटल दृश्य वास्तविक संरचना का ही हिस्सा हों। इससे दर्शक काशी के इतिहास और धार्मिक प्रसंगों को सजीव और प्रभावशाली रूप में देख सकेंगे।

पारंपरिक तरीके से होगा 'काशी-कथा' का आगाज

25 मिनट के इस विशेष शो की शुरुआत शंखनाद और डमरू की गूंज से होगी। यह प्रस्तुति भगवान शिव की उपस्थिति और काशी की आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक बनेगी। इसके बाद भगवान गणेश की कथा, शिव-पार्वती विवाह, देव दीपावली मनाए जाने की पौराणिक मान्यता और मां गंगा की महिमा को दर्शाया जाएगा। साथ ही भगवान श्रीहरि विष्णु के चक्र पुष्करिणी कुंड से जुड़े प्रसंगों और गंगा स्वच्छता के संदेश को भी आकर्षक दृश्य-श्रव्य माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

आठ मिनट के भव्य लेजर शो से समापन

'काशी-कथा' कार्यक्रम के अंतिम चरण में लगभग आठ मिनट का भव्य लेजर शो आयोजित होगा। यह पूरी प्रस्तुति को और आकर्षक बनाएगा। देव दीपावली पर होने वाला 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग और लेजर शो पर्यटकों के लिए पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा। इसका प्रदर्शन निर्धारित समय के अनुसार रात 7:20 बजे से तीन बार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक काशी की आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक तकनीक के इस अनूठे संगम का आनंद ले सकें।

